भूगोल में भू दृश्य की संकल्पना

Concept of landscape in geography

Module -1

Semester 1

Introduction **परिचय**

भू दृश्य का तात्पर्य उस भूमि से है जो हमारे वायुमंडल के नीचे पृथ्वी का बाह्य स्वरूप है अर्थात भूतल पर स्थित समस्त तथ्यों के योग को भूदृश्य कहते हैं। यह किसी क्षेत्र या प्रदेश में भू-आकृतियों, पेड़-पौधों, मानव भूमि उपयोग (कृषि, खादान, बाग-बगीचे, गृह, ग्राम नगर, यातायात आदि) तथा अन्य मानवीय तथ्यों का सम्पूर्ण योग होता है।

कार्ल सावर प्रथम भूगोलवेत्ता थे जिन्होंने भूत दृश्य लैंडस्केप शब्द का प्रयोग अपनी पुस्तक मोरफ़ोलॉजी ऑफ लैंडस्केप मैं किया। कार्ल सावर ने भू दृश्य को प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक दो भागों में विभाजित किया उनके विचारों से स्पष्ट होता है की भू दृश्य में प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक दोनों क्षेत्रों को सम्मिलित किया जाता है मानव प्रकृति तथ्यों को कभी घटाता है कभी बढ़ाता है तथा कभी उसका विनाश करता है

कार्ल सावर का मानना था कि भौगोलिक अध्ययनों में सांस्कृतिक पुत्री से सर्वाधिक महत्वपूर्ण होते हैं इसके साथ प्राकृतिक एवं जैविक तैत्वों को भू दृश्य के घटक माना है। प्राकृतिक भू दृश्य के अंतर्गत समस्त प्राकृतिक दशा एवं उसके विशेषताओं को सम्मिलित किया जाता है जबकि सांस्कृतिक वातावरण में मानव निर्मित तथ्यों को सम्मिलित किया जाता है।

1. प्राकृतिक भू दृश्य

प्राकृतिक दृश्य के अंतर्गत मृदा धरातल आदि का अध्ययन किया जाता है भारत बल पर प्राया प्राकृतिक भू दृश्य दिखाई देते हैं किंतु जैसे ही मानव का दखल प्रारंभ हो जाता है वह प्राकृतिक भू दृश्य बदलने लगतलगता।

2. सांस्कृतिक भू दृश्य

मानव दवारा निर्मित भू दृश्यों को सांस्कृतिक भू दृश्य कहा जाता है। सांस्कृतिक भूत दृश्य मैं किसी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के विचार सामाजिक संगठन आंतरिक व संसाधन को सम्मिलित किया जाता है। सांस्कृतिक दृश्य भूमि वह हैजिस पर मानव द्वारा किया गया रूपांतरण स्पष्ट दिखाई देता है वर्तमान समय में संपूर्ण भू दृश्य को ही सांस्कृतिक भू दृश्य के अंतर्गत रखा जाना चाहिए क्योंकि कोई भी जगह मानव की बहुत से बाहर नहीं है मानव प्राकृतिक वातावरण को परिवर्तित करके उसे सांस्कृतिक वातावरण में परिवर्तित कर देता है सांस्कृतिक भू दृश्य के निर्माण में मानव की इच्छा का महत्वपूर्ण स्थान है मानव इच्छा रचनात्मक एवं विनाश आत्मक दोनों प्रकार की होती है।

सांस्कृतिक भू दृश्य के तत्व

सांस्कृतिक भू दृश्य में मानवीय क्रियाकलापों द्वारा निर्मित 16 तत्वों को सम्मिलित किया गया है।

मानव या जनसंख्या, मानव अधिवास, आर्थिक उत्पादन एवं वितरण, शक्ति संसाधनों का अध्ययन, यातायात के साधनों का विकास, संचार साधन, कृषि, वन, खनन, सिंचाई के साधन, प्रशासनिक क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय सीमाएं, शिक्षण संस्थाएं, मनोरंजन संस्थाएं, कला एवं अन्य गतिविधियां, धार्मिक संस्थाएं, तथा सामाजिक संस्थाएं।

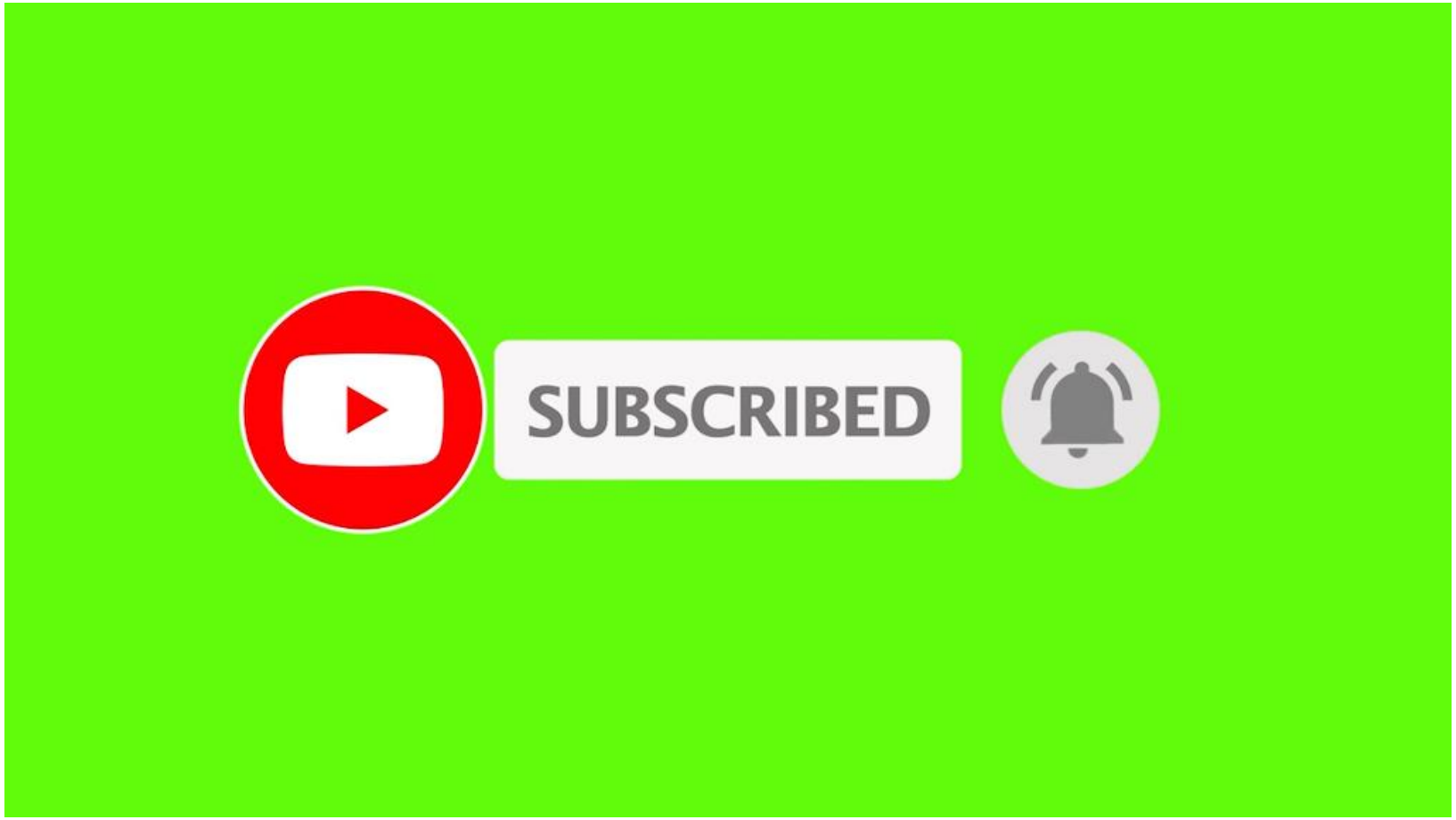
SUBSCRIBED